धौलपुर कलक्ट्रेट अब आईएसओ प्रमाणित

राज्य का पहला कलक्ट्रेट, संस्था ने सौंपा प्रमाण पत्र

कार्यालय संवाददाता
धौलपुर, 18 नवम्बर

रेड स्टोन के लिए देशभर में विख्यात धौलपुर अब राज्य का पहला आईएसओ प्रमाणित कलक्ट्रेट बन गया है। 11 दिसम्बर को आईएसओ प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। मंगलवार को इसकी औपचारिक घोषणा की गई।

मंगलवार को कलक्ट्रेट में जारी पत्रकार वार्ता में जिला कलक्टर आशुतोष एटी पेडणेकर ने इसकी घोषणा की। इस मौके पर आईएसओ 9001-200 संस्था के लीड ऑडिटर कैलाशचन्द्र शर्मा भी मौजूद थे। उन्होंने संस्था का प्रमाण-पत्र कलक्ट्रेट कर्मचारियों को सौंपा।

इस मौके पर जिला कलक्टर ने बताया कि आईएसओ प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए किसी भी संस्था को लम्बी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। जनता की अपेक्षा के अनुरूप जन समस्याओं के समयबद्ध निस्तारण तथा रिकॉर्ड व फाइल रख-रखाव के उच्च स्तरीय तरीके अपनाने होते हैं।

उन्होंने बताया कि निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए कलक्ट्रेट के सभी अनुभागों को कम्प्यूटर के माध्यम से जोड़ा गया है। उन्होंने बताया कि कलक्ट्रेट में प्राप्त आवेदन व डाक आदि के लिए एक सॉफ्टवेयर बनाया गया है। इसके माध्यम से कम्प्यूटर नेटवर्किंग के जरिए संबंधित अनुभागों को पत्र-भेज कर समयबद्ध जवाब भेजने व समस्या निस्तारण की जिम्मेदारी दी जाती है। उन्होंने बताया कि कलक्ट्रेट के सभी क्षेत्रों में क्लोज सर्किट कैमरे लगा कर निगरानी रखी जाती है।

प्रमाण-पत्र

धौलपुर कलक्ट्रेट के राज्य का पहला आईएसओ प्रमाणित कलक्ट्रेट बनने का प्रमाण पत्र कर्मचारियों को सौंपते आईएसओ के लीड ऑडिटर।

आईएसओ के लिए की गई मशक्कत

प्रशिक्षण- कलक्ट्रेट के सभी कर्मचारियों को व्यवहार व कार्य में निपुणता लाने के लिए विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया गया।

स्मार्ट कार्ड- कलक्ट्रेट में कार्यरत सभी कर्मचारियों को स्मार्ट कार्ड परिचय पत्र जारी किए जा रहे हैं। इस कार्ड में कर्मचारी से संबंधित आंकड़े स्टोर किए गए हैं।

फाइल ट्रैकिंग सिस्टम- पत्रावलियों के समयबद्ध निस्तारण के लिए फाइल ट्रैकिंग सिस्टम का सॉफ्टवेयर विकसित किया गया है। जिला कलक्टर द्वारा फाइल के बारे में ऑनलाइन निरीक्षण किया जाता है। सभी फाइलों की बार कोडिंग की गई है।

टोल फ्री नम्बर शीघ्र- कलक्ट्रेट के लिए शीघ्र ही टोल फ्री नम्बर दिया जाएगा। इसे लोगों को अपने कार्य की प्रगति या अन्य किसी जानकारी के लिए बार-बार कलक्ट्रेट के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे।

सभी अनुभाग कम्प्यूटर से जोड़े- कलक्ट्रेट के सभी 14 अनुभागों को 36 कम्प्यूटर के जरिए आपस में जोड़ा गया है। सभी कर्मचारियों को कम्प्यूटर प्रशिक्षित किया गया।

तहसील स्तर के सभी कार्य नए सॉफ्टवेयर से- निक की ओर से जिले के सभी तहसील व उपखण्ड अधिकारी कार्यालयों के कार्यों के लिए नया सॉफ्टवेयर तैयार किया गया है। सभी कार्यालयों को ऑनलाइन किया जाएगा।

सरल केन्द्र बनेंगे- तहसील कार्यालयों पर सरल केन्द्र बनाए जाएंगे। इनके जरिए सभी प्रकार के प्रमाण पत्र एक ही खिड़की से बनाए जाएंगे। धौलपुर में सरलकेन्द्र का शुभारम्भ शीघ्र।

स्वागत कक्ष व परामर्श केन्द्र- कलक्ट्रेट में स्वागत कक्ष व परामर्श केन्द्र की स्थापना की गई है। प्रशिक्षित कर्मचारी लोगों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हैं। प्रार्थना पत्र लिखने का कार्य भी किया जाता है। पात्र लोगों को निःशुल्क कानूनी सहायता भ उपलब्ध कराई जाती है।

कर्तव्यों की जानकारी- सभी कर्मचारियों को दायित्व निर्वहन की जानकारी के साथ अनुभाग के कार्यों व पत्रावली की जानकारी रखना आवश्यक किया गया।

योगा क्लासेज- कर्मचारियों को शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रखने के लिए यागा क्लासेज शुरू की गईं।

स्वच्छता का ध्यान- कलक्ट्रेट परिसर में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा गया। कर्मचारियों व आम लोगों से इसमें सहयोग की अपील की गई।

पार्क का विकास- कलक्ट्रेट परिसर स्थित पार्क के विकास के लिए पांच लाख रुपए व्यय किए जाएंगे।

आईएसओ मिलने के फायदे

- कर्मचारियों व अधिकारियों की कार्य क्षमता में वृद्धि
- सूचना व सहायता मिलने में अनावश्यक देरी से बचाव
- सभी अधिकारियों व कर्मचारियों की कार्य में संलग्नता
- प्रत्येक कार्मिक की जिम्मेदारी निर्धारित
- लक्ष्यों की पूर्ति समय पूर्व करने की प्रेरणा
- जिला कलक्टर द्वारा कम्प्यूटर के माध्यम से किसी भी अनुभाग की कार्यप्रणाली व निस्तारण प्रक्रिया की समीक्षा
- लोगों के कार्य समय से व बिना किसी मध्यस्थ के होना
- कम लागत में अच्छी सेवा प्रदान करना
- कमियों का विश्लेषण कर निराकरण में सहायता
- आवश्यकताओं का पता लगा कर उन्हें पूरा करना

क्या है आईएसओ

आईएसओ (इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन फॉर स्टैण्डर्डलाइजेशन) एक अन्तरराष्ट्रीय संस्था है। इसका मुख्यालय अमरीका के फ्लोरिडा में है। करीब 15 वर्ष पूर्व यह संस्था अस्तित्व में आई। सार्क देशों का इसका मुख्यालय जयपुर में है। भारत में यह संस्था 2001 से कार्य कर रही है। यह संस्था उसके नियमानुसार कार्य करने वाली संस्था को अंकेक्षण के बाद आईएसओ 9000 का प्रमाण पत्र प्रदान करती है। आईएसओ 9000 प्रमाण पत्र लेने वाली संस्था की एक गुणवत्ता नीति होती है। इस नीति से संस्था, उसके कर्मचारी व ग्राहकों को फायदा होता है।

इनका कहना है

"धौलपुर कलक्ट्रेट को आइएसओ का दर्जा मिलना अच्छी बात है। यहां के कर्मचारियों की मेहनत से यह संभव हो सका है। हम लोगों की समस्याओं के शीघ्र समाधान के लिए प्रयासरत रहेंगे।

-आशुतोष एटी पेडणेकर
जिला कलक्टर
धौलपुर